

टीबी चैंपियन

के रूप में
काम करने
के लिए

गाइड



टीबी चैंपियन के रूप में काम करने के लिए गाइड

परिचय

बधाई हो!

आपने टीबी सरवाइवर से टीबी चैंपियंस बनने की तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला सफलता पूर्वक पूरी कर ली है। अब आप टीबी चैंपियन के रूप में समुदाय में काम करने के लिए तैयार हैं।

पहले कदम में, पीआर के रूप में फाउंड इंडिया (FIND India) के माध्यम से ग्लोबल फंड (Global Fund) के समर्थन से, रीच (REACH) संस्था द्वारा लागू की जा रही यूनाइटेड टू एक्ट परियोजना के तहत आपको टीबी चैंपियन मेंटरशिप कार्यक्रम के लिए चुना गया है। इस दस्तावेज में दी गयी जानकारी की जिम्मेदारी रीच की है और किसी भी परिस्थिति में पीआर, या दाताओं की स्थिति को प्रतिबिम्बित नहीं माना जा सकता है।

इस पुस्तक में आपको मेंटरशिप कार्यक्रम के जरिये आप क्या और कैसे हासिल कर सकते हैं, इसके बारे में विस्तृत जानकारी और मार्गदर्शन मिलेगा। यह पुस्तक आपके लिए रिवरेन्स गाइड है और हम आपको नियमित अंतराल पर इसे देखते रहने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। जब भी आपके मन में कोई प्रश्न हो की कैसे टीबी के साथ रह रहे लोगो की मदद कर सकते ह या कैसे विभिन्न हितधारकों का समर्थन प्राप्त कर सकते है तो कृपया इस पुस्तक का उल्लेख करें। रीच की राज्य और जिला टीमें हमेशा आप के समर्थन के लिये तैयार हैं।

कृपया ध्यान दें कि इस पुस्तक में उपलब्ध जानकारी मुख्य रूप से दवा के प्रति संवेदनशील टीबी वाले लोगो के लिये प्रासंगिक है। डीआरटीबी के साथ रह रहे लोगो का समर्थन करना इस पुस्तक और मेंटरशिप कार्यक्रम के दायरे से बाहर है।

याद रखें, एक टीबी चैंपियन के रूप में, आप टीबी प्रभावित समुदायों के प्रतिनिधि हैं। साथ में, आपकी सक्रिय भागीदारी से, हम भारत को टीबी मुक्त कर सकते हैं।

शुभकामनाएँ!

टीबी चैंपियन मेंटरशिप प्रोग्राम क्या है ?

टीबी चैंपियन मेंटरशिप कार्यक्रम टीबी इकाई (TU) स्तर पर 6 महीने की अवधि के लिए चयनित टीबी चैंपियंस की नियुक्ति के लिए एक संरचित कार्यक्रम है। मेंटरशिप का उद्देश्य टीबी प्रभावित समुदायों के सक्रिय जुड़ाव और भागीदारी को मजबूत करना है और ऐसा करके, सफल उपचार परिणामों को सुनिश्चित करने में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के प्रयासों को बढ़ाना है। मेंटरशिप कार्यक्रम प्रशिक्षित टीबी चैंपियंस के कौशल का निर्माण करने और उन्हें समुदाय में काम करने में मदद करने के लिए बनाया गया है।

एक टीबी चैंपियन के रूप में, आपके निम्नलिखित कार्य होंगे:



अपने जिले में टीयू या स्वास्थ्य सुविधा से जुड़ना



टीयू और जिला स्तर पर एनटीईपी स्टाफ के साथ जुड़ना



अपने जिले में यूनाइटेड टू एक्ट, प्रोजेक्ट के डिस्ट्रिक्ट कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर के साथ समन्वय के साथ काम करना

मेंटरशिप कार्यक्रम के उद्देश्य

- I. टीबी के साथ जी रहे लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए
- II. समुदायों के बीच टीबी के विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता बढ़ाने के लिए
- III. सेवा वितरण और टीबी पर अधिक ध्यान देने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ प्रभावी पैरवी करना
- IV. समुदाय में मौजूद स्टिग्मा को कम करने के लिए
- V. सब मिलाकर, टीबी प्रतिक्रिया में समुदाय की भागीदारी में सुधार करने के लिए

I. टीबी के साथ जी रहे लोगों को सहायता प्रदान करना

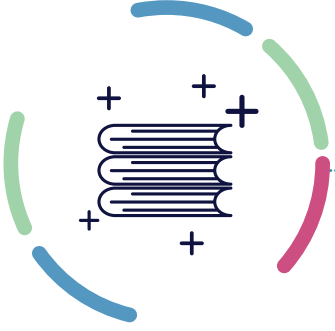
मेंटरशिप कार्यक्रम के तहत टीबी चैंपियन की प्रमुख जिम्मेदारियों में से एक यह सुनिश्चित करना है कि टीबी के साथ जी रहे लोग जिन्हें कार्यक्रम के माध्यम से इलाज मिल रहा है वो अपना इलाज सफलतापूर्वक पूर्ण करें।

उपचार के सफल परिणामों को प्राप्त करने के लिए, टीबी के साथ जी रहे लोगों को उपचार अवधि के दौरान व्यक्तिगत सहायता प्रदान करना। व्यक्ति केंद्रित देखभाल टीबी के साथ जी रहे लोगों की देखभाल करने का तरीका है जो उनके लिए सार्थक और मूल्यवान है। टीबी के साथ जी रहे लोगों को यह एक सम्मानजनक बात है कि वह अपने स्वयं के स्वास्थ्य के बारे में निर्णय लेने में शामिल है।

इस खंड में, हमने व्यक्ति केंद्रित देखभाल के कुछ प्रमुख पहलुओं का वर्णन किया है—वे क्या हैं, वे क्यों महत्वपूर्ण हैं और टीबी चैंपियन उन्हें कैसे प्रदान कर सकते हैं। कृपया ध्यान रखें कि मेंटरशिप डीएसटीबी वाले लोगों को समर्थन प्रदान करने की मूल बातें समझने की अवधि है और जो डीआरटीबी के साथ जी रहे लोगों का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित नहीं करती है।

1. उपचार साक्षरता सत्रों का प्रावधान दो बार – विशेष रूप से एक बार गहन चरण (आईपी) के दौरान और एक बार सतत चरण (सीपी) के दौरान
2. कम से कम एक बार धूम्रपान बंद करना/नशा मुक्ति जैसे जोखिम का मूल्यांकन और नशा मुक्ति केन्द्रों के साथ जोड़ना
3. लिंग-उत्तरदायी सहकर्मी परामर्श, विशेष रूप से आईपी चरण के दौरान एक बार और सीपी चरण के दौरान एक बार
4. परिवार के सहयोग में सुधार के लिए लिंग-उत्तरदायी परिवार/जीवनसाथी परामर्श के एक सत्र का प्रावधान
5. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ जोड़ने के लिए स्क्रीनिंग
6. उपचार के दौरान कम से कम एक बार रोगी प्रदाता बैठकों में टीबी के साथ रह रहे व्यक्ति की भागीदारी को सुविधाजनक बनाना
7. प्रतिकूल प्रभावों और अन्य चिकित्सा आवश्यकता के मामले में चिकित्सा देखभाल के लिए चिकित्सा सेवाओं के साथ जोड़ने का प्रावधान आवश्यकतानुसार
8. यदि आवश्यक हो तो उपचार में रुकावट के मामले में समर्थन और पुनर्प्राप्ति
9. यदि आवश्यक हो तो कॉमोरबिडिटीज के प्रबंधन के लिए लिंकेज और अनुवर्ती (फलो अप) कार्रवाई करें
10. उपचार की शुरुआत में एक बार टीबी वाले व्यक्ति के घरेलू संपर्कों की जांच

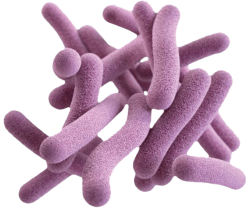
1. उपचार साक्षरता (Treatment Literacy)



उपचार साक्षरता क्या है

उपचार साक्षरता किसी बीमारी से प्रभावित व्यक्ति को उसके बारे में जानकारी का प्रावधान है। टीबी से ग्रसित व्यक्ति जो बीमारी को समझता है – यह कैसे फैलता है, उपचार, संभावित प्रतिकूल प्रभाव, रोकथाम आदि – उपचार को सफलतापूर्वक पूरा करने में सहायता करता है। पीडब्ल्यूटीबी को सही जानकारी उसकी चिंता को कम करेगा और टीबी के साथ किए जाने वाले निदान के बारे में डर को कम करेगा।

उपचार साक्षरता पर जानकारी में शामिल होनी चाहिए



टीबी का कारण क्या है

टीबी माइक्रोबैक्टीरियम तपेदिक नामक जीवाणु के कारण होती है। एंटीबायोटिक्स बैक्टीरिया को मारते हैं। टीबी, अन्य जीवाणु संक्रमण की तरह इलाज के योग्य है।



टीबी कैसे फैलता है

टीबी तब फैलता है जब फेफड़े की टीबी वाला व्यक्ति सांस लेता है, बोलता है, खांसता है या छींकता है। एक्स्ट्रापल्मनरी टीबी वाले लोग संक्रामक नहीं होते हैं। फेफड़े की

टीबी वाले लोग टीबी की दवाएं लेने के दो सप्ताह बाद गैर संक्रामक हो जाते हैं।



परीक्षण जो आमतौर पर टीबी का निदान करने के लिए किया जाता है

बलगम माइक्रोस्कोपी, एक्सरे या सिबीनाट (सीबीएनएएटी) आमतौर पर टीबी के डायग्नोसिस के लिए किया जाता है। बलगम माइक्रोस्कोपी का उपयोग फॉलो अप जांच के लिए किया जाता है।

उपचार की अवधि और नियमित रूप से दवाएं लेने के महत्व

टीबी का इलाज 6 महीने के लिए दिया जाता है। पहले दो महीने – गहन चरण। अगले चार महीने – निरंतरता चरण। नियमित रूप से



उपचार लेने के महत्व के बारे में टीबी से ग्रसित लोगों को बताना चाहिए।



एफडीसी दवाओं, के फायदे और उन्हें कैसे लेना चाहिए

इन्फोग्राफिक का इस्तेमाल करें और पीडब्ल्यूटीबी को दवा सेंसिटिव टीबी के इलाज के लिए दी जाने वाली चार दवाओं के बारे में जानकारी दें। रिफैम्पिसिन, इसोनियाजिड, पायराजिनमाइड और एथम्बुटोल।

हर गोली में ये चार दवाएं फिक्स्ड डोज में होती हैं। क्योंकि एफडीसी वजन आधारित हैं, यह इलाज की संभावना बढ़ाती है और दवा प्रतिरोध के विकास की संभावना कम हो जाती है।



पोषण पर सलाह

पीडब्ल्यूटीबी को प्रत्येक भोजन में कम से कम एक प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें। अगर हाल ही में उनका वजन कम हुआ है तो उन्हें थोड़ा ज्यादा खाने के लिए कहें जितना वो आराम से खा सके। पीडब्ल्यूटीबी को मौसमी सब्जियों और फलों को ज्यादा खाने के लिए प्रोत्साहित करें।



पीडब्ल्यूटीबी को कितनी बार डॉक्टर से मिलना चाहिए और जो परीक्षण करवाने हैं उनको करवाया जाना चाहिए

पीडब्ल्यूटीबी को महीने में कम से कम एक बार डॉक्टर से मिलना चाहिए और खुद का वजन लेना चाहिए। अनुवर्ती (फॉलो अप) परीक्षण दो महीने के अंत में और उपचार के अंत में किए जाते हैं।

मामूली प्रतिकूल (साइड इफेक्ट्स) प्रभाव और उनके प्रबंधन

एक टीबी चैंपियन निम्नलिखित मामूली प्रतिकूल प्रभावों पर सुझाव प्रदान कर सकता है जैसे

- छाती में जलन, पेट में जलन, ऊपरी पेट का दर्द, जी मिचलाना .पीडब्ल्यूटीबी को पानी के एक गिलास के साथ दवाओं का उपभोग करने के लिए कहें। अतिरिक्त पानी पीने से उल्टी हो सकती है। यदि पीडब्ल्यूटीबी को उपरोक्त में से कोई भी लक्षण है तो उन्हें तेल रहित हल्के नाश्ते के एक घंटे बाद दवाओं के सेवन के लिए कहें। उन्हें टमाटर, चाय, कॉफी, मसालेदार भोजन जैसी वस्तुओं से बचने के लिए कहें
- जोड़ों का दर्द – पीडब्ल्यूटीबी को सूचित करें कि यह आमतौर पर उपचार के बिना ठीक हो जाती है और यदि दर्द असहनीय है तो उन्हें डॉक्टर से मिलना चाहिए
- खुजली – पीडब्ल्यूटीबी को नारियल तेल या मॉइस्चराइजर का उपयोग करने के लिए कहें। यदि चकत्ते हैं तो उन्हें तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए
- सामान्य थकान, शरीर में दर्द – आश्वासन दें कि यह कुछ हफ्ते में ठीक होगा
- लाल मूत्र – समझाएं कि लाल मूत्र हानिरहित है और दुष्प्रभाव नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि रिफाम्पिसिन नामक दवा मूत्र के माध्यम से निकलती है
- लगातार उल्टी या ऊपर सूचीबद्ध किसी अन्य प्रतिकूल प्रभाव के मामले में एसटीएस को सूचित करें और पीडब्ल्यूटीबी को चिकित्सा अधिकारी से मिलने के लिए कहें

खांसी शिष्टाचार, बलगम का सुरक्षित निष्कासन, (वेंटिलेशन) हवादार

- फेफड़े की टीबी के लोगों को सूचित करें कि वे उपचार शुरू करने के दो सप्ताह बाद गैर संक्रामक हो जाते हैं
- पीडब्ल्यूटीबी और उनके परिवार को दरवाजे और खिड़कियां खोलकर रखने के लिए प्रोत्साहित करें
- यदि शारीरिक अलगाव संभव नहीं है तो पीडब्ल्यूटीबी को पहले दो हफ्तों के लिए मास्क पहनने के लिए कहा जा सकता है
- इस मौसम को देते समय टीबी चैंपियन को सावधानी बरतनी चाहिए। रोकथाम के प्रयासों से स्टिग्मा या भेदभाव नहीं होना चाहिए। सुनिश्चित करें कि पीडब्ल्यूटीबी और उनके परिवार दोनों सहज हैं और वे इन चरणों को शुरू करने के महत्व को समझते हैं
- पीडब्ल्यूटीबी एक मग में पानी के साथ फिनाइल मिला सकता है और बलगम को उसमें थूक सकता है। और इसे किसी जगह में फेंका जा सकता है जहाँ किसी की पहुँच न हो, यदि ऐसा संभव नहीं नहीं तो वे बलगम को कीचड़ में भी दफना सकते हैं

उपचार साक्षरता कब प्रदान करें

उपचार साक्षरता सत्र गहन चरण में एक बार और जारी चरण में एक बार प्रदान किया जाना चाहिए। हालांकि, एक टीबी चैंपियन के रूप में, आपको पीडब्ल्यूटीबी को हर समय सवाल पूछने और उनकी शंकाओं को स्पष्ट करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

उपचार साक्षरता कैसे प्रदान करें

- जब कोई अपने निदान के बारे में परेशान है तो उस समय उपचार साक्षरता सत्र करने का प्रयास न करें। इसके बजाय, उनकी चिंताओं को सुनें और उन्हें आश्वस्त करें।
- इस सत्र को टीबी से निदान के कुछ दिनों के बाद किया जा सकता है।
- इन सत्रों को आदर्श रूप से एक पति या पत्नी या परिवार के सदस्य के साथ प्रदान किया जाना चाहिए जो प्राथमिक देखभालकर्ता होंगे।

2. लिंग-उत्तरदायी सहकर्मी समर्थन (Gender - Responsive Peer Support)



सहकर्मी समर्थन परामर्श उन लोगों द्वारा प्रदान किया जाता है जिनके पास कुछ समानता है। इस मामले में, 'टीबी' अनुभव आपके और पीडब्ल्यूटीबी के बीच बात है यह समानता उन लोगों को दिलासा देती है जो सोचते हैं कि वे अकेले हैं। इस प्रकार यह साझा करना महत्वपूर्ण है कि आपको टीबी और पीडब्ल्यूटीबी के साथ आपके समान अनुभव थे। हमेशा टीबी के साथ व्यक्ति को याद दिलाते हुए सत्र शुरू करें कि आप भी वैसे ही अनुभव से गुजर चुके हैं और इसलिए समझते हैं कि वे क्या अनुभव कर रहे हैं।

लिंग वर्ग और टीबी

जेंडर रिस्पॉन्सिव अप्रोच का मतलब है कि हमें किसी व्यक्ति के लिंग वर्ग जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए और उन्हें पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। पुरुष पीडब्ल्यूटीबी का अनुभव महिला पीडब्ल्यूटीबी के अनुभव से बहुत अलग होता है।

टीबी के साथ पुरुषों के सामने चुनौतियां क्योंकि वे पुरुष हैं



काम पर जाने का दबाव



परिवार के लिए कमाने की मजबूरी चाहे उनकी सेहत कुछ भी हो



दोस्तों/पड़ोसियों से पीने के लिए दबाव या इसे जारी रखने के लिए



अवसाद के लिए अग्रणी महसूस करना जब वे कुछ न बोलने की प्रवृत्ति हो



पुरुष प्रवासी कामगार भी होते हैं जो अक्सर अपने परिवारों से दूर उन स्थानों पर रह रहे होते हैं जहां नौकरियां उपलब्ध हैं। काम के लंबे समय और परिवार से जुदाई भी निदान और उपचार पूरा करने के लिए चुनौतियां बन गया है

टीबी के साथ महिलाओं के सामने चुनौतियां क्योंकि वे महिलाएं हैं



बच्चों और/या बुजुर्गों की देखभाल करने का दबाव



खाना बनाना और अन्य घर के काम करने के लिए दबाव, तब जबकी वे मुश्किल से चल सकते है



दवाएं लेने के लिए अस्पताल जाने के लिए पुरुषों पर निर्भर



नवविवाहित महिलाओं के मामले में स्टिग्मा और भेदभाव



तीन गुना बोझ: नौकरी, घर का काम, परिवार व और लोगों की देखभाल



ट्रान्सजेंडर व्यक्तियों को पुरुषों और महिलाओं से अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ट्रान्सजेंडर व्यक्तियों को भी अपनी पहचान के कारण, उनके परिवारों के साथ, स्वास्थ्य सुविधाओं में और समुदाय में स्टिग्मा और भेदभाव का सामना करना पड़ता है। यह तब और खराब हो सकता है जब वे टीबी से प्रभावित हों।

शुरु में यह आकलन करना मुश्किल हो सकता है कि किसी विशेष लिंग वर्ग पर अपेक्षाओं या दबावों के कारण कौन सी चुनौतियां हैं—अन्यथा लिंग विशेष भूमिकाओं के रूप में जाना जाता है—और कौन से जेंडर से संबंधित नहीं हैं। लेकिन जब भी आप टीबी से सामना होने वाली चुनौतियों के बारे में सुनते हैं, तो खुद से पूछें—क्या व्यक्ति इस चुनौती का सामना कर रहा है क्योंकि वे एक आदमी हैं या क्योंकि वे एक महिला हैं? अगर इस सवाल का जवाब हां में है तो फिर ये जेंडर से जुड़ी चुनौतियां हैं।

जेंडर संबंधी चुनौतियों को दूर करने में पीडब्ल्यूटीबी को यह संदेश देना शामिल है कि वे समाज की लिंग संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो उन्हें अपने स्वास्थ्य की कीमत पर करने की जरूरत नहीं है।

महिला पीडब्ल्यूटीबी को भी अपने घरों में घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें ये पता नहीं होगा की सहायता के लिए कहाँ जाना है। आप सिर्फ सुनकर, या उन महिलाओं के लिए किसी भी स्थानीय सहायता सेवाओं या हेल्पलाइन के बारे में जानकारी देकर उनकी मदद कर सकते हैं। लेकिन अपने आप 'समस्या का समाधान' करने की कोशिश न करें।

कब लिंग-उत्तरदायी सहकर्मी परामर्श प्रदान करें: यह प्रक्रिया पीडब्ल्यूटीबी के साथ पहली बातचीत के दौरान शुरू होती है और उपचार अवधि के दौरान जारी रहती है। पहले सत्र के दौरान उनकी व्यक्तिगत स्थिति, उनके परिवार के साथ उनके संबंध आदि को समझने की कोशिश करें।

लिंग-उत्तरदायी सहकर्मी परामर्श **कैसे** प्रदान करें: जेंडर से संबंधित चुनौतियों की अवधारणा को व्यक्त करना मुश्किल हो सकता है लेकिन उन्हें ठीक होने के लिए बताना महत्वपूर्ण है। ज्यादातर लोगों के लिए, लिंग से संबंधित चुनौतियों को समझना मुश्किल है और समय लगता है। जब आपको यह अहसास हो जाए कि पीडब्ल्यूटीबी असहज है या सुनने को तैयार नहीं है उस वक्त अपनी राय पर अड़े न रहें। पीडब्ल्यूटीबी को जेंडर संबंधी चुनौतियों के बारे में सोचने और उन्हें संबोधित करने के तरीके के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करें।

3. लिंग-उत्तरदायी परिवार का समर्थन (Gender - Responsive Family Support)



लिंग उत्तरदायी परिवार का समर्थन लिंग संबंधी चुनौतियों की पहचान करना है और इनके समाधान के लिए पीडब्ल्यूटीबी और उनके परिवार के साथ काम करना है।

उदाहरण के लिए, आप एक ऐसे व्यक्ति की पत्नी से बात कर सकते हैं जो टीबी के कारण अस्थायी रूप से बेरोजगार है और उसे समझा सकते हैं कि यह ठीक होने के लिए महत्वपूर्ण है। आप परिवार को वित्तीय सहायता जुटाने के अन्य, अस्थायी साधनों का पता लगाने में मदद कर सकते हैं, यदि आवश्यक हो।

आप नवविवाहित महिला पीडब्ल्यूटीबी के परिवार से बात कर सकते हैं की वे कैसे घरेलू जिम्मेदारियों को आपस में बाँट सकते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके की उसे कुछ आराम मिले।

लिंग-उत्तरदायी परिवार परामर्श **कब** दें

पहली बातचीत के दौरान यह अनुभव करने का प्रयास करें की पति या पत्नी या परिवार के सदस्य लिंग वर्ग से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने पर सुझाव प्राप्त करने के लिए कितने खुले हैं। प्रारंभिक कुछ बातचीत के दौरान लिंग-उत्तरदायी परिवार परामर्श प्रदान किया जा सकता है।

लिंग उत्तरदायी परिवार परामर्श **कैसे** प्रदान करें

यदि आपने लिंग/ जेंडर – संबंधी चुनौतियों की पहचान की है जिनका समाधान किया जा सकता है, तो जीवनसाथी या परिवार से नाराज या निराश न हों। एक सहकर्मी समर्थक के रूप में गैर-निर्णयात्मक और विनम्र तरीके से लिंग संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए सुझाव देना महत्वपूर्ण है।

4. रोगी प्रदाता बैठक (Patient - Provider Meeting)



टीबी से प्रभावित लोगों और उनके परिवारों को जानकारी देने के लिए एनटीईपी के तहत सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में रोगी प्रदाता बैठकें आयोजित की जाती हैं। यह आमतौर पर स्वास्थ्य विजिटर या वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाता है।

रोगी प्रदाता बैठक **कब** करें:

रोगी प्रदाता बैठकें आमतौर पर तीन महीने में एक बार आयोजित की जाती हैं। एसटीएस या एचवी से जांच करें कि आखिरी बैठक कब हुई थी और समझें कि अगली बैठक दोबारा कब होगी। विशेष रूप से कोविड समय के दौरान इन बैठकों के आयोजन के बारे में नियमों को समझें।

रोगी प्रदाता की बैठक में **कैसे** भाग लें:

टीबी चैंपियन को टीयू के एसटीएस या चिकित्सा अधिकारी के साथ बारीकी से समन्वय करके इस गतिविधि के लिए योजना बनानी चाहिए और रोगी प्रदाता बैठक की तारीखों और स्थानों के बारे में पहले से सूचित किया जाना चाहिए। इस बैठक में भाग लेने के लिए सभी पीडब्लूटीबी को आमंत्रित करें जिन्हें आप मेंटरशिप कार्यक्रम के माध्यम से समर्थन दे रहे हैं। चिकित्सा अधिकारी और एसटीएस ने जो जानकारी उपलब्ध कराई है, उसे सुनें। बैठक में आए टीबी और बाकी समूह के लोगों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करें। चुनौतियाँ जो की घरों में है के बारे में सवाल पूछें, अपने कार्यस्थलों पर या कहीं और। ये चुनौतियाँ स्टिग्मा, अनुवर्ती फॉलो अप परीक्षण या उनके परिणामों या खाने में कठिनाई या उनके अनुभव कर रहे प्रतिकूल प्रभावों से संबंधित हो सकती हैं। आप सुझाव भी प्रदान कर सकते हैं। और आप तकनीकी प्रश्नों के लिए एसटीएस या चिकित्सा अधिकारी से उत्तर देने का अनुरोध कर सकते हैं।

5. जोखिम मूल्यांकन (Vulnerability Assessment)



सरल शब्दों में, कमजोर वर्ग का व्यक्ति वो है जो आसानी से किसी भी चीज से प्रभावित हो सकता है। उदाहरण के लिए, इस मामले में, एक व्यक्ति जो बहुत कुपोषित है या जिसको एचआईवी है या एक खदान में काम करता है उसे टीबी होने का खतरा बना रहता है।

जोखिम मूल्यांकन उस क्षमता का आकलन करने और समझने की प्रक्रिया है जिससे कोई प्रभावित हो सकता है इस मामले में, एक जोखिम आकलन आपको यह समझने में मदद करेगा कि टीबी वाले व्यक्ति के इलाज को पूरा करने या बाधित करने की संभावना है या नहीं।

जोखिम मूल्यांकन **कब** करें:

आदर्श तौर पर जोखिम मूल्यांकन पहली बातचीत के दौरान किया जाता है ताकि किसी भी तत्काल जरूरतों की पहचान की जा सके और समाधान किया जा सके है। साथ ही यह सुनिश्चित कर लें कि इस आकलन के लिए बैठने में पीडब्ल्यूटीबी शारीरिक रूप से फिट है। इस आकलन के लिए पीडब्ल्यूटीबी के पति या परिवार से मदद लें, लेकिन सिर्फ पीडब्ल्यूटीबी के सहमति से।

जोखिम मूल्यांकन **कैसे** करें:

समझाएं कि आप ये सवाल क्यों पूछ रहे हैं। समझाएं कि यह आपको 'व्यक्ति-केंद्रित' देखभाल प्रदान करने में कैसे मदद करेगा जो उनके अनुरूप है। बताइए कि जरूरत पड़ने पर यह आपको और पीडब्ल्यूटीबी को एक टीम के रूप में संसाधन जुटाने में कैसे मदद करेगा। हो सके तो पीडब्ल्यूटीबी के जीवनसाथी के साथ मिलकर ऐसा करें।

मेंटरशिप के दौरान हम जिन जोखिमों का आकलन करेंगे, उनमें से कुछ हैं

- I. पिछले एलटीएफयू का इतिहास
- II. शराब का अत्यधिक उपयोग
- III. तंबाकू का उपयोग
- IV. बेरोजगारी
- V. बीपीएल कार्ड धारक
- VI. प्रवासी मजदूर
- VII. परिवार के समर्थन की कमी
- VIII. खाद्य सुरक्षा की कमी

I. पिछले एलटीएफयू का इतिहास



जिन लोगों ने पूर्व में टीबी का इलाज लिया है और इलाज बंद कर दिया है, उनमें फिर से इलाज बीच में बंद करने का खतरा ज्यादा है।

उनसे और उनके परिवार से पूछें कि उन्होंने अतीत में इलाज क्यों बंद कर दिया। किसी भी भय या भ्रांतियों को संबोधित करें, यदि कोई हो।

जिन लोगों ने अतीत में इलाज बंद कर दिया है, उन्हें करीब से फॉलोअप की जरूरत है। एसटीएस के साथ जांच करने के लिए सुनिश्चित करें कि वे समय पर अपनी दवाएँ प्राप्त करते हैं।

II. अल्कोहल का अत्यधिक उपयोग



निम्नलिखित प्रश्नों का उपयोग उस व्यक्ति की पहचान करने के लिए किया जा सकता है जो अल्कोहल का अत्यधिक उपयोग कर रहा है। इन सवालों के लिए उन लोगों से पूछने की जरूरत नहीं है, जिन्होंने कभी शराब का सेवन नहीं किया या फिर अब शराब पीने की आदत में नहीं हैं।

शराब का सेवन करने वाले हर व्यक्ति को शराब की समस्या नहीं होती है, हालांकि शराब किसी भी मात्रा में शरीर के लिए हानिकारक होती है।

कृपया पीडब्ल्यूटीबी से निम्नलिखित प्रश्न पूछें:

1. क्या आपने कभी महसूस किया है कि आपको अपने पीने / शराब की मात्रा में कमी करनी चाहिए?
2. क्या लोगों ने आपके शराब पीने की आलोचना करके आपको नाराज किया है?
3. क्या आपने कभी अपने पीने के बारे में बुरा या दोषी महसूस किया है?
4. क्या आपने कभी अपने दिमाग को संतुलित करने या हैंगओवर (सुबह उठ कर होने वाली परेशानियों) से छुटकारा पाने के लिए सुबह उठते ही पिया है?

स्कोर: **0** - नहीं **1** - हाँ

यदि स्कोर 2 या उससे अधिक है, तो व्यक्ति को अल्कोहल उपयोग विकार होने की संभावना होती है और उन्हें पेशेवर मदद लेने के लिए संदर्भित करना पड़ता है।



III. तंबाकू का सेवन



जो भी व्यक्ति वर्तमान में किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहा है, धूम्रपान या धुआं रहित, उसको यह बताना होगा कि धूम्रपान हानिकारक है।

आदत छोड़ने के लिए उपलब्ध नशा मुक्ति केंद्रों की जानकारी दें।

समझाएं कि तंबाकू छोड़ने से शरीर को लंबी अवधि में फायदा होता है। नीचे दी गई छवि से टीबी वाले व्यक्ति को कुछ महत्वपूर्ण लाभों को उजागर करने के लिए, उन्हें तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करना। उदाहरण के लिए आप उन्हें बता सकते हैं कि छोड़ने से 20 मिनट में रक्तचाप में कमी आएगी और 5 से 15 वर्षों में धूम्रपान न करने वाले के स्तर तक दिल का दौरा पड़ने या स्ट्रोक के जोखिम को कम किया जा सकेगा।

धूम्रपान छोड़ने के प्रभाव

स्वास्थ्य में सुधार और आवश्यक समय

5 से 15 साल

धूम्रपान न करने वालों के जैसे, स्ट्रोक या अटैक का जोखिम कम हो जाता है

15 साल

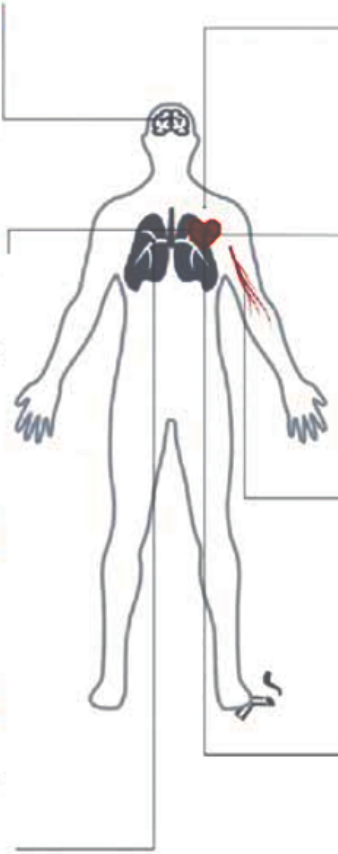
कोरोनरी हृदय रोग का जोखिम काफी कम हो जाता है बिल्कुल उस व्यक्ति जैसा जिसने कभी धूम्रपान न किया हो

10 साल

फेफड़ों के कैंसर का खतरा आधा कम हो जाता है

1 - 9 महीने

खांसी और सांस की तकलीफ कम हो जाती है



20 मिनट्स

हृदय गति, रक्तचाप में गिरावट

1 साल

कोरोनरी हृदय रोग का जोखिम काफी कम हो जाता है बिल्कुल उस व्यक्ति जैसा जिसने कभी धूम्रपान न किया हो

12 घंटे

रक्त में मौजूद कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर सामान्य हो जाता है

2 - 12 हफ्ते

परिसंचरण में सुधार व साथ ही फेफड़ों की कार्यक्षमता भी बढ़ जाती है

Source: WHO

IV. बेरोजगारी



पीडब्लूटीबी जो वर्तमान में नौकरी नहीं कर रहे हैं लेकिन नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें बेरोजगार माना जाता है। जो लोग बेरोजगार हैं, उन्हें आर्थिक परेशानियां या मायूस होने की संभावना ज्यादा हो सकती है। ऐसे व्यक्तियों को अधिक बार अनुवर्ती फॉलो अप करने की भी आवश्यकता हो सकती है।

जब तक वह काम पर वापस नहीं आ जाता तब तक आप इस व्यक्ति को पौष्टिक भोजन प्राप्त करने में मदद करने के लिए जहां भी संभव हो संसाधन जुटा सकते हैं।

V. बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे आना वाला वर्ग) कार्ड धारक



जिन लोगों के पास बीपीएल कार्ड है, वे आमतौर पर गरीब होते हैं। आपको उनके लिए दूसरों की तुलना में अधिक मनोसामाजिक सहायता और संसाधन जुटाने की आवश्यकता हो सकती है।

VI. प्रवासी कामगार



प्रवासी कामगार आकस्मिक और अकुशल कामगार होते हैं जो व्यवस्थित रूप से एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में अस्थायी, आमतौर पर मौसमी आधार पर अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं।

टीबी चैंपियन के रूप में, यदि आप पीडब्लूटीबी से मिलते हैं जो एक प्रवासी कामगार है, तो उनका विश्वास जीतना बहुत महत्वपूर्ण है ताकि उनको दवाएं और दूसरी सहायता प्रदान की जा सके, भले ही वे किसी अन्य स्थान पर चले जाएं। उनसे बात करें और समझें कि उनके जाने की संभावना कब है और उस समय के आसपास उनसे मिलने की कोशिश करें। उन्हें समझाएं कि उन्हें अपने नए स्थान पर अपना इलाज कैसे जारी रखना चाहिए, और उन्हें किससे संपर्क करना चाहिए और यदि संभव हो तो उनके निकटतम स्वास्थ्य सुविधा का सही से पता उनको देने की कोशिश करें।

VII. परिवार के समर्थन की कमी



पीडब्लूटीबी से बात करें और आकलन करें कि उनके पास किस प्रकार का परिवार का समर्थन है। खुले रूप से प्रश्न पूछें जैसे कि 'आपका परिवार आपका समर्थन कैसे करता है', 'क्या आपको लगता है कि आपको अपने परिवार से पर्याप्त समर्थन मिलता है', 'आपको किन क्षेत्रों में लगता है कि आपको अधिक परिवार के समर्थन की जरूरत है'। लोग अपने परिवार के बारे में बहुत आसानी से नहीं खुलते हैं। पहली बार यह प्रश्न पूछे जाने पर हमेशा उत्तर की अपेक्षा

न करें। यदि आपको कुछ हिचकिचाहट महसूस होती है, तो बाद में बातचीत के दौरान यह प्रश्न पूछें। अगर कोई इस बात का जिक्र करता है कि वे अपने परिवार के बारे में बात करने में सहज नहीं हैं, तो उनके साथ जबरदस्ती न करें। उनके लिए इंतजार करें कि वो आप पर भरोसा करें और फिर कोशिश करें।

VIII. खाद्य सुरक्षा की कमी

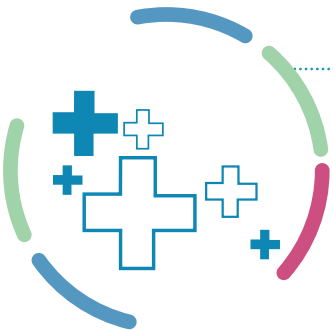


यदि किसी के पास भोजन खरीदने के लिए पर्याप्त धन नहीं है या उन्होंने अपने पास मौजूद भोजन की मात्रा कम कर दी है या उन्होंने भोजन नहीं किया है क्योंकि वे भोजन नहीं खरीद सकते हैं तो क्या उनके पास खाद्य सुरक्षा नहीं है। टीबी के साथ जी रहे लोगों से पिछले एक सप्ताह के बारे में पूछें और क्या उन्होंने पिछले एक सप्ताह में पर्याप्त भोजन किया है।

जिन लोगों के पास खाद्य सुरक्षा की कमी है, उनके लिए निक्षय पोषण योजना या एनपीवाई अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। सुनिश्चित करें कि वे एनपीवाई प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेजों के बारे में जानकारी प्रदान करके समय पर एनपीवाई की किस्तें प्राप्त करें और एनपीवाई किस्तें प्राप्त करने में किसी भी देरी के मामले में एनटीईपी कर्मचारियों के साथ भी बातचीत करें।

अपने जिला शाखा, नेटवर्क शाखा, चिकित्सा अधिकारी, समुदाय के अन्य प्रभावशाली लोगों के माध्यम से पूरजोर समर्थन करें कि वे छोटे भोजन या सूखे राशन के रूप में पौष्टिक भोजन के साथ पीडब्ल्यूटीबी का समर्थन करें।

6. प्रतिकूल प्रभावों के लिए रेफरल (Referral for Adverse - Effects)



उपचार साक्षरता अनुभाग में सूचीबद्ध मामूली प्रतिकूल प्रभावों के अलावा, पीडब्ल्यूटीबी को अन्य प्रतिकूल प्रभावों के लिए चिकित्सा पर ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है। किसी अन्य प्रतिकूल प्रभाव के मामले में आपसे या एसटीएस से संपर्क करने के लिए पीडब्ल्यूटीबी को सूचित करें। यदि आवश्यक हो, तो प्रतिकूल प्रभावों के उपचार के लिए पीडब्ल्यूटीबी के साथ चिकित्सा अधिकारी के पास जाए।

यह रेफरल **कब** किया जाना चाहिए:

उपचार शुरू होने के बाद पहले कुछ हफ्तों में सबसे ज्यादा प्रतिकूल प्रभाव होते हैं। कुछ गंभीर प्रतिकूल प्रभाव जैसे दिखने में कमी या लिवर को नुकसान उपचार के दौरान बाद में हो सकती है। बार-बार पीडब्ल्यूटीबी को सूचित करें कि कोई भी शारीरिक कठिनाइयां प्रतिकूल प्रभाव हो सकती हैं और यदि वे कुछ भी असामान्य अनुभव कर रहे हैं तो उन्हें एसटीएस या आपसे संपर्क करें।

यह रेफरल **कैसे** किया जाना चाहिए:

पीडब्ल्यूटीबी के परिवार के किसी सदस्य से अनुरोध करें कि उन्हें तुरंत चिकित्सा अधिकारी के पास ले जाएं। कई बार आपको दिव्यांगों के साथ मेडिकल ऑफिसर के पास जाना पड़ सकता है।

7. उपचार में रुकावट के मामले में पुनः प्राप्ति (Retrieval in case of interruption of treatment)



ज्यादातर पीडब्ल्यूटीबी लोगों के लिए लगातार इलाज लेना मुश्किल होता है। कुछ लोग इलाज बंद कर लेते हैं। यदि कोई व्यक्ति जिसके उपचार में बाधा आई है, वह इलाज छोड़ने के 28 दिनों के भीतर दवाएं फिर से शुरू करता है, तो वो अभी भी सफलतापूर्वक उपचार पूरा कर सकते हैं। पूरा इलाज फिर से शुरू करने की जरूरत नहीं है।

हालांकि, अगर 28 दिन बीत चुके हैं क्योंकि उन्होंने उपचार बंद कर दिया है, तो उन्हें लॉस्ट टू फॉलो अप कहा जाता है और उन्हें पहले दिन से उपचार पुनः आरंभ करने से पहले फिर से परीक्षण से गुजरना होगा। इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए कि कोई भी लॉस्ट टू फॉलो अप न हो।

यदि कोई दवा लेने नहीं आ रहा है तो एसटीएस को पता चल जाएगा कि कौन इलाज लेने नहीं आ रहा है। टीबी चैंपियन के रूप में, पीडब्ल्यूटीबी को महीने में एक बार यह समझाने के लिए बुलाएं कि वे कैसे और नियमित रूप से दवाएं ले रहे हैं या नहीं। यदि अनुमति दी जाती है, तो यह देखने के लिए उपचार कार्ड पर एक नजर डालें कि क्या वे नियमित रूप से दवाएं ले रहे हैं।

अगर आपके पास जानकारी है कि कोई नियमित रूप से दवाएं नहीं ले रहा है, तो उन्हें समझाने के लिए पीडब्ल्यूटीबी से बात करें कि लगातार दवाएं उनकी मदद कैसे करेंगी। उनसे और उनके परिवार से बात करें और उनकी चुनौतियों को समझें। एसटीएस / चिकित्सा अधिकारी / सीएचओ के साथ चर्चा करें कि इन चुनौतियों का समाधान कैसे किया जा सकता है।

यह पुनः **कब** शुरू किया जाना चाहिए:

उपचार को पुनः आरंभ करने के प्रयास जल्द ही किए जाने चाहिए, एक बार जब आपको पता चल जाता है कि एक पीडब्ल्यूटीबी ने उपचार बंद कर दिया है।

यह पुनर्प्राप्ति (फॉलो अप) **कैसे** किया जाना चाहिए:

यदि फोन पर बात करना संभव है और पीडब्ल्यूटीबी को दवाएं प्राप्त करने के लिए अस्पताल आने के लिए कहना संभव है, तो यह किया जाना चाहिए। कई बार पीडब्ल्यूटीबी के घर जाना जरूरी हो सकता है दिव्यांगों के घर जाकर सोचें कि पीडब्ल्यूटीबी ने आपको उनकी स्थिति के बारे में क्या बताया है। जितना संभव हो, पीडब्ल्यूटीबी के घर जाने से पहले उनकी अनुमति प्राप्त करें। किसी भी तरह की गोपनीयता का उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए।

8. मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए स्क्रीनिंग (Screening for mental health challenges)



मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के साथ टीबी से उबरना जटिल हो सकता है। टीबी से जुड़ा स्टिग्मा और इलाज की लंबी अवधि की जरूरत डिप्रेशन को एक आम कॉमोरबिडिटी बना देती है जब किसी को टीबी होती है। 50% से अधिक पीडब्ल्यूटीबी अवसाद से ग्रसित रहते हैं।

जिसे चिकित्सकीय उपचार की आवश्यकता है। जब तक इलाज के साथ साथ डिप्रेशन को दूर नहीं किया जाता, तब तक टीबी से रिकवरी मुश्किल होती है। नीचे वर्णित अवसाद के लिए एक सरल स्क्रीनिंग उपकरण है।

शारीरिक स्वास्थ्य प्रश्नावली - PHQ 2					
	पिछले 2 हफ्तों में, आप कितनी बार निम्नलिखित समस्याओं से परेशान हुए हैं	बिलकुल भी नहीं	बिलकुल भी नहीं	बिलकुल भी नहीं	बिलकुल भी नहीं
1	किसी भी काम को करने में कम दिलचस्पी या खुशी	0	1	2	3
2	निराश महसूस करना	0	1	2	3

हस्तक्षेप के लिए टीबी के साथ जी रहे लोगों की पात्रता

- मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सक परामर्श से जुड़ी सुविधाओं में नामांकन के लिए मानदंड— कुल स्कोर = 3 तीनों प्रश्नों को मिला के
- आगे होने वाले मूल्यांकन, मानसिक चिकित्सीय देखभाल या अस्पताल में भर्ती होने को मद्देनजर रखते हुए किसी मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर को रेफर करने के लिए मानदंड— कुल स्कोर 3 तीनों प्रश्नों को मिला के

यदि स्कोर दोनों प्रश्नों के लिए 3 या 3 से अधिक है, तो व्यक्ति को एक मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर को दिखाने की जरूरत है।

यह केवल एक स्क्रीनिंग उपकरण है, जिसका अर्थ है कि मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर तय करेगा कि किसी को अवसाद है या नहीं। यह उपकरण केवल उन लोगों की पहचान करता है जिन्हें मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर के लिए संदर्भित किया जाना है।

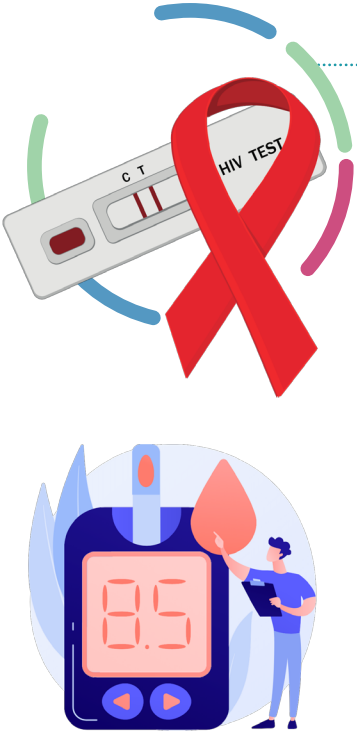
स्क्रीनिंग टूल का उपयोग **कब** करें:

यदि आपने अपनी पहली बातचीत के दौरान पीडब्ल्यूटीबी के साथ एक अच्छा तालमेल स्थापित किया है और यदि आपको लगता है कि वे आपसे बात करने में सहज हैं, तो यह स्क्रीनिंग पहली बातचीत के दौरान की जा सकती है। यदि नहीं, तो दूसरी बातचीत तक स्थगित करें। लेकिन स्क्रीनिंग आदर्श रूप से गहन चरण के भीतर किया जाना चाहिए ताकि वे आवश्यक रूप से उचित मानसिक स्वास्थ्य सेवा से जोड़ा जा सकता है।

स्क्रीनिंग **कैसे** करें:

आप स्क्रीनिंग क्यों कर रहे हैं, इसका संदर्भ दें। दिव्यांगों को समझाएं कि पता चलने पर कई लोगों को निराश महसूस होता है। यदि उन्हें चिकित्सकीय अवसाद है तो इसका समाधान करने से भी टीबी से जल्दी ठीक हो सकते हैं और अच्छी तरह से वापस आ सकते हैं उन लोगों का उदाहरण दें जिन्होंने मानसिक स्वास्थ्य सेवा की मांग की और बेहतर महसूस किया।

9. कोमोर्बिडिटीज के लिए लिंकेज (एचआईवी/मधुमेह) (Linkage to comorbidities (HIV/ Diabetes))



एक स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली की तुलना में एक कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के साथ किसी को टीबी विकसित होने की संभावना अधिक है। उदाहरण के लिए, एचआईवी के साथ जी रहे लोगों को टीबी का खतरा दस गुना बढ़ जाता है। डायबिटीज वाले लोगों में एक्टिव टीबी या टीबी की बीमारी (बिना डायबिटीज वाले लोगों की तुलना में 3-4 गुना ज्यादा) का खतरा बढ़ जाता है।

टीबी और पीडब्ल्यूटीबी के लक्षणों वाले हर व्यक्ति को एचआईवी और मधुमेह की जांच करवानी चाहिए और अपने परिणामों को जानना चाहिए। पीडब्ल्यूटीबी से पूछें कि क्या उनका एचआईवी और मधुमेह के लिए परीक्षण किया गया था। अगर ये टेस्ट हो चुके हैं तो एसटीएस से क्रॉस चेक करें। परीक्षणों के बारे में जानकारी प्रदान करें और यदि उन्होंने पहले ही ऐसा नहीं किया है तो उन्हें परीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित करें। पीडब्ल्यूटीबी को समझाएं कि एचआईवी परीक्षण के बारे में अधिक जानकारी परीक्षण से पहले काउंसलर द्वारा प्रदान की जाएगी और यह परीक्षण केवल उनकी सहमति से किया जाएगा।

अगर पीडब्ल्यूटीबी को एचआईवी या डायबिटीज भी है तो उन्हें टीबी की दवाओं के साथ-साथ नियमित रूप से एचआईवी डायबिटीज की दवा लेने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें अपने मधुमेह चिकित्सक के साथ या अपने एआरटी सेंटर में महीने में कम से एक बार या उनके डॉक्टर/एआरटी चिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्धारित आवृत्ति के अनुसार अनुवर्ती (फॉलो अप) कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करें।

कॉमोर्बिडिटी स्क्रीनिंग या उपचार से **कब** लिंक करें:

पहली बातचीत के दौरान, पीडब्ल्यूटीबी से पूछें कि क्या उनका परीक्षण किया गया है। फॉलो अप संपर्क के दौरान, पुष्टि करें कि क्या उनका परीक्षण किया गया था और उनका परिणाम प्राप्त हुआ था। यदि किसी भी कॉमोर्बिडिटी के साथ का निदान, जांच अगर वे दवा ले रहे हैं और नियमित रूप से लागू करने के लिए अपने डॉक्टर से मिलने के लिए कहें।

कॉमोर्बिडिटी से स्क्रीनिंग के लिए **कैसे** लिंक करें:

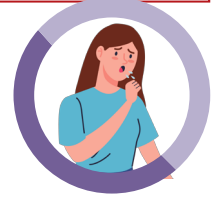
अगर व्यक्ति अभी एचआईवी या मधुमेह का टेस्ट कराने के लिए तैयार नहीं है तो मजबूर न करें।

अधिकांश ब्लॉक स्तर के अस्पतालों में एचआईवी व मधुमेह के लिए परीक्षण की सुविधा है। समझें कि एचआईवी के साथ नए निदान वाले व्यक्ति को जोड़ने के लिए निकटतम एआरटी सेंटर में आपके ब्लॉक में कहां है। मधुमेह के लिए दवा सभी प्राथमिक देखभाल केंद्रों पर उपलब्ध है।

10. संपर्क स्क्रीनिंग (Contact screening)

संपर्क स्क्रीनिंग क्या है ?

संपर्क का मतलब कोई भी व्यक्ति जो सक्रिय टीबी रोग वाले व्यक्ति के संपर्क में था।



‘कॉन्टैक्ट स्क्रीनिंग’ का मतलब है कि जो लोग टीबी से प्रभावित किसी के साथ करीबी संपर्क में रहते हैं या काम करते हैं, उनका भी टीबी की बीमारी और संक्रमण दोनों के लिए परीक्षण किया जाना चाहिए। यह घरेलू संपर्कों या परिवार के सदस्यों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो टीबी से प्रभावित व्यक्ति के साथ रहने की जगह साझा करते हैं।

कुछ संपर्कों में कोई लक्षण नहीं हो सकते हैं जबकि हो सकता अन्य ने लक्षणों को नजरअंदाज कर दिया है। लक्षण स्क्रीनिंग और छाती एक्स-रे के संयोजन का उपयोग टीबी रोग से प्रभावित लोगों की पहचान करने के लिए किया जाता है।

संपर्क स्क्रीनिंग कैसे करें

- परिवार के सदस्यों के डर या चिंताओं को दूर करें
- परिवार के सदस्यों और करीबी संपर्कों से पूछें कि क्या उनमें टीबी के कोई लक्षण हैं
- टीबी के लक्षणों के साथ संपर्क में आने वालों को बलगम परीक्षण या अन्य उपयुक्त परीक्षणों के लिए संदर्भित किया जाना चाहिए
- जिन परिवार के सदस्यों में लक्षण नहीं हैं उन्हें छाती का एक्स-रे कराने के लिए प्रोत्साहित करें
- 5 वर्ष से अधिक आयु के सभी घरेलू सदस्यों को टीबी संक्रमण के लिए परीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित करें, यदि उपलब्ध हो
- 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के माता-पिता को अपने बच्चे या बच्चों में सक्रिय टीबी से बचने के लिए एक चिकित्सा अधिकारी से मिलने के लिए प्रेरित करें
- स्थानीय रूप से प्रचलित दिशानिर्देशों के अनुसार 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और/या वयस्कों को टीबी निवारक उपचार शुरू करने की सुविधा प्रदान करें



संपर्क स्क्रीनिंग कब करें

आप पीडब्लूटीबी के साथ अपनी पहली बातचीत के दौरान संपर्क स्क्रीनिंग शुरू कर सकते हैं बशर्ते पीडब्लूटीबी को विश्वास है कि उनका परिवार सहायक होगा। पीडब्लूटीबी के लिए यथाशीघ्र संभव सुविधानुसार संपर्क स्क्रीनिंग शुरू करें।



एचआईवी वाले लोग और 5 साल से कम उम्र के बच्चों के साथ जो फेफड़े के टीबी से प्रभावित लोगों के घरेलू संपर्क में आए हैं, उन्हें टीबी संक्रमण की जांच के बिना निवारक उपचार प्रदान किया जाएगा। जो लोग 5 वर्ष से अधिक आयु के हैं, जो फेफड़े की टीबी से प्रभावित लोगों के घरेलू संपर्क में हैं, उन्हें कुछ परीक्षणों का उपयोग करके टीबी संक्रमण की जांच के बाद टीबी निवारक उपचार प्रदान किया जाएगा। पॉजिटिव टेस्ट करने वालों को

प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट मुहैया कराया जाएगा। टीबी के संक्रमण की पहचान के लिए अमूमन दो टेस्ट किए जाते हैं। उनमें से एक सस्ता त्वचा परीक्षण है जिसे श्मैनटॉक्स टेस्ट कहा जाता है और दूसरा “आईग्रा” नामक रक्त परीक्षण है, जो महंगा है। जब टीबी संक्रमण की जांच की सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, तो फेफड़े की टीबी वाले लोगों के सभी घरेलू संपर्कों को निवारक उपचार दिया जाता है। दो अलग-अलग तरह के उपचार उस जोखिम समूह के आधार पर प्रदान किए जाते हैं जो किसी व्यक्ति के संपर्क के अंतर्गत आता है – 6 महीने के लिए दैनिक आईएनएच या 3 महीने के लिए साप्ताहिक रिफापेनटिन+आईएनएच

II. व्यक्तिगत संचार



व्यक्तिगत बात या संचार दो लोगों या एक छोटे समूह के बीच संचार है जिसके माध्यम से हम सूचना, विचारों, भावनाओं और अनुभवों का आदान-प्रदान करते हैं।

हमें लगभग प्रत्येक समुदाय समूह, विशेष रूप से टीबी और उनके परिवारों के साथ, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कार्यकर्ताओं, समाज के प्रभावशाली लोगों, समुदाय आधारित स्वयं सहायता समूहों और अन्य समूहों जैसे महिला समूहों, युवा समूहों आदि के साथ व्यक्तिगत संवाद करने की आवश्यकता है।

संचार के दौरान, विशेष रूप से आईपीसी को प्रभावशाली बनाने के लिए, यह आवश्यक है कि कम्युनिकेटर के पास कुछ महत्वपूर्ण मूल्य और स्वभाव हो। ये हैं

1. सभी के साथ समानता, गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार करें
2. उन लोगों के साथ भावनाओं पर आधारित कनेक्ट विकसित करें जो न केवल संबंधित काम हैं और इसमें निरंतरता होनी चाहिए
3. लोगों के हितों, समय और सेवाओं का सम्मान करें
4. सकारात्मक रहें। लोगों को स्वीकार करें जैसे वे हैं, उनमें खामियां न ढूंढें
5. पहले से किसी के बारे में राय मत बनाएं – वह अच्छा है, वह नहीं सुनेगा, वह समझ नहीं पाएगा, आदि
6. सरल, संतुलित और धैर्यपूर्वक व्यवहार बनाए रखें
7. समय पर सही और पूरी जानकारी दें। यदि आपके पास किसी मुद्दे पर जानकारी नहीं है या पूरी जानकारी नहीं है, तो गलत या अधूरी जानकारी न दें
8. लोगों को यह कहने के लिए प्रेरित करें कि वे क्या चाहते हैं और प्रश्न पूछने के लिए कहें

किस प्रकार ध्यान से सुनें

- सामने वाले को इज़्ज़त देते हुए उसे ध्यान से सुनें
- बीच में न टोके
- किसी भी बात को साझा करने के लिए सामने वाले को मजबूर न करें
- समय दें, जल्दबाज़ी न करें, धैर्य रखें
- सामने वाले पर कोई राय या जानकारी न थोपें
- अपने हाव भाव सही रखें

आप सुन रहे हैं इसको कुछ इस प्रकार जतायें—
अपना सर हिलाएं, इस दौरान हाँ या न कहें, जिस तरह की बातचीत हो रही है उससे जुड़े होने का सबूत अपने चेहरे से व्यक्त करें, आगे की ओर झुकाव रखें, जब भी ज़रूरत लगे सामने वाले की आँखों से आँखें मिलाये

III. समुदाय में टीबी के बारे में जागरूकता बढ़ाना

टीबी के बारे में समुदाय में जागरूकता **कैसे** बढ़ाई जाए

आप सामुदायिक बैठकें आयोजित करके, ग्राम सभा की बैठकों जैसे समारोहों में टीबी के बारे में बोलकर या रैलियां या अन्य रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करके टीबी के बारे में जागरूकता बढ़ा सकते हैं। ये गतिविधियां टीबी के बारे में समुदायों को संवेदनशील करती हैं और उन्हें यह समझने में मदद करती हैं कि देखभाल कहां की जाए। इससे स्वास्थ्य की तलाश में बेहतर व्यवहार, शीघ्र निदान और टीबी के संचरण में कमी आ सकती है।

आप सामुदायिक बैठकों में किसे संबोधित कर सकते हैं

- ग्राम सभा की बैठकें
- स्वास्थ्य शिविर
- धार्मिक सभाएं
- वार्ड निवासियों
- महिला मंडल
- स्वयं सहायता समूह
- ग्राम स्वास्थ्य और पोषण दिवस के कार्यकर्ताओं (वीएचएनडी) / प्रतिरक्षण केंद्र
- युवा मंडलों/युवा क्लब
- पीडीएस केंद्र में लाभार्थी
- फैन क्लब
- मनरेगा मजदूर
- व्यावसायिक समूह – बीड़ी कामगार/ कारखाना कामगार/खनिक
- आंगनबाड़ी केंद्र
- टीबी से ठीक हुए लोग
- स्वास्थ्य सुविधाओं पर पीडब्लूटीबी
- सामुदायिक सेवा प्रदाता – एडब्ल्यू आशा, एएनएम
- स्कूल के छात्रों
- कॉलेज के छात्रों
- शिक्षक/व्याख्याता

समुदाय की बैठकों में क्या बोलना है:

- 1 टीबी के बारे में क्यों बात की जाती है – समुदायों को टीबी में क्यों रुचि होनी चाहिए
- 2 टीबी का बोझ
- 3 टीबी कैसे फैलता है
- 4 टीबी के प्रकार
- 5 टीबी के लक्षण और जल्दी निदान के महत्व
- 6 टीबी के बारे में मिथकों और भ्रांतियों
- 7 टीबी के कौन कौन से परीक्षण होते हैं और कहाँ होते हैं
- 8 उपचार निशुल्क उपलब्ध
- 9 दवा प्रतिरोधी टीबी

- 10 पोषण, एनपीवाई और अन्य योजनाओं का महत्व
- 11 टीबी का सामाजिक प्रभाव
- 12 कलंक और पीडब्ल्यूटीबी का समर्थन करने की आवश्यकता
- 13 टीबी के लक्षणों पर जोर, परीक्षण करने की आवश्यकता है और टीबी को खत्म करने के लिए संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता है
- 14 काम के लिए कॉल करें – समुदाय पीडब्ल्यूटीबी, पीडब्ल्यूएसटीबी का समर्थन कैसे कर सकता है और टीबी उत्तरजीवी नेटवर्क में शामिल होने के लिए कॉल कर सकता है।

सामुदायिक बैठकें कब आयोजित करें:



महीने में कम से कम एक समुदाय की बैठक आयोजित करें। कोविड सुरक्षा सावधानियों को ध्यान में रखते हुए सुनिश्चित करें कि कम से 30 लोग भाग लेते हैं।

सामुदायिक बैठकों का संचालन कैसे करें:

सामुदायिक संरचनाओं (नीचे उल्लिखित संभावित संरचनाओं) की एक सूची तैयार करें जहां आप कई स्थानों पर और लोगों के विभिन्न समूहों के लिए सामुदायिक बैठकों का आयोजन करना चाहते हैं।



- कृपया याद रखें कि सामाजिक ढांचे में या किसी सामुदायिक बैठक या किसी संस्था में सामुदायिक बैठक आयोजित करने के लिए आपको सबसे पहले उस संरचना या संस्था के नेता/जिम्मेदार व्यक्ति/अध्यक्ष के साथ सामुदायिक जागरूकता आयोजित करने की वकालत करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए किसी स्कूल में सामुदायिक जागरूकता बैठक स्कूल प्रधानाध्यापक या प्रधानाध्यापिका के साथ पूरजोर समर्थन के बाद ही कराई जा सकती है। टीबी पर जनता का ध्यान देने की मांग करने और उन्हें आपको अनुमति देने के लिए समझाने के लिए अपने व्यक्तिगत अनुभवों की बात करें।
- बातचीत के बिंदु तैयार करें (टीबी चैंपियन हैंडबुक का उल्लेख करें) और यह सुनिश्चित करें कि आप टीबी के बारे में बुनियादी जानकारी प्रदान करें और लोगों के किसी भी मिथक या भ्रांतियों को दूर करें।

सभाओं को संबोधित करते समय याद रखने के लिए पॉइंट (बिंदु)



- स्थानीय भाषा और पर्यावरण को ध्यान में रखें
- सत्र की शुरुआत में सभी को संबोधित करें
- सरल, आसान और परिचित शब्दों का प्रयोग करें
- विषय या मुद्दे पर विश्वास और स्पष्टता के साथ चर्चा करें
- दर्शकों के साथ आंखों से संपर्क बनाए रखें
- जब भी संभव हो या विषय के लिए उपयुक्त हास्य का प्रयोग करें
- प्रासंगिक उदाहरण दें
- मीटिंग को इंटरैक्टिव रखने और दर्शकों के सवालों को प्रोत्साहित करने के लिए सरल प्रश्न पूछें

IV. हितधारकों के साथ पैरवी

पैरवी क्या है

टीबी के उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, सभी हितधारकों—स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, समुदाय के नेताओं, मीडिया को इस साझा लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पैरवी करना टीबी और उसके परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है। टीबी चपियंस द्वारा पैरवी करना अभिन्न है क्योंकि यह प्रभावित समुदायों को एक आवाज देता है और कार्यक्रम और अन्य नेताओं, निर्वाचित प्रतिनिधियों आदि के लिए पीडब्लूटीबी की चिंताओं को व्यक्त करने का एक साधन है।

पैरवी कैसे करें

- जब आप टीबी के साथ लोगों के साथ बातचीत करते हैं तो अपने अवलोकन के आधार पर टीबी प्रतिक्रिया में मुद्दों या चुनौतियों की पहचान करें
- आप जिस समस्या या समस्या का समाधान करना चाहते हैं, उसे चुनें
- समस्या का विश्लेषण करें और संभावित समाधानों की पहचान करें
- अपने पूरजोर समर्थन के काम के लिए विशिष्ट उद्देश्यों का विकास
- अपने लक्ष्यों की पहचान करें (आप किसे प्रभावित करेंगे?)
- अपने सहयोगियों की पहचान करें (आप किसके साथ काम करेंगे?)
- विशिष्ट लक्ष्यों, परिणामों, तिथियों और जिम्मेदारियों के साथ एक वकालत योजना बनाएं

टीबी फोरम पर पैरवी कैसे करें

- टीबी चैंपियन जो विभिन्न स्तरों पर टीबी फोरम के सदस्य हैं, प्रभावित समुदायों की चुनौतियों और चिंताओं को उजागर करने और उन्हें चर्चा और समाधान करने की कोशिश करने की जिम्मेदारी है
- टीबी चैंपियन जो फोरम के सदस्य हैं मंच से पहले उत्तरजीवी के नेतृत्व वाले नेटवर्क के जिला अध्याय के अन्य टीबी से बचे लोगों से मिलना चाहिए
- विभिन्न मुद्दों का दस्तावेजीकरण और विशेष रूप से टीयू के उल्लेख के साथ उपयोगी होगा
- टीबी चैंपियन को अन्य लोगों का सम्मान करना चाहिए, उनके शरीर की भाषा और हाव भाव सकारात्मक होना चाहिए। अपनी चिंताओं को व्यक्त करते हुए, टीबी चैंपियन तथ्यों का उल्लेख करना चाहिए और किसी भी व्यक्ति या संस्था को दोष या बदनाम नहीं करना चाहिए

कब और किसके साथ पैरवी करना है ?

आवधिकता – यह एक सतत प्रक्रिया है। जब भी आप एनटीईपी अधिकारियों या कर्मचारियों से मिलते हैं तो कृपया टीबी देखभाल और सेवाओं के बारे में मुद्दों या समर्थन को उजागर करें। सामुदायिक जागरूकता बैठकें आयोजित करने या सामाजिक सुरक्षा संबंध प्रदान करने के लिए संस्थाओं या समुदाय के नेताओं के प्रमुखों के साथ समर्थन करें। जब ये बैठकें आयोजित की जाती हैं तो टीबी मंचों पर भाग लेते हैं और पैरवी करते हैं।

उनके साथ समर्थन करने के लिए विभिन्न उद्देश्यों के साथ हितधारकों की दो श्रेणियां हैं।

उद्देश्य 1

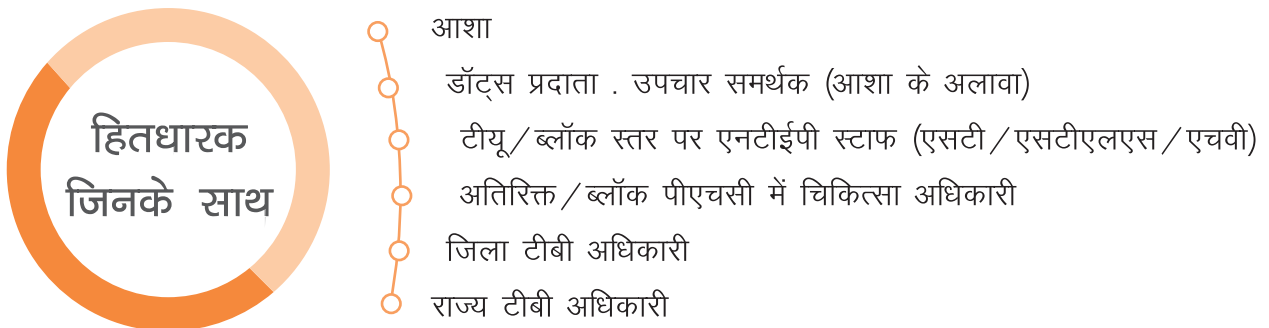
समुदायों के बीच जागरूकता पैदा करने या सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संपर्क सुनिश्चित करने के लिए



उद्देश्य 2

सेवाओं के सुचारु वितरण को सुनिश्चित करने के लिए:

- टीबी दवाओं/निदान/यूडीएसटी की नियमित आपूर्ति
- एनटीईपी द्वारा निर्धारित दिषानिर्देशों के अनुसार उपचार कैसकेड के हर कदम को पूरा करना (प्रारंभिक निदान से इलाज पूरा करने के लिए)
- प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण का नियमित वितरण (निक्षय पोषण योजना)



उद्देश्य 3

स्वास्थ्य सुविधाओं/कार्यस्थलों परिवार, समुदाय के सदस्यों पर स्टिग्मा या भेदभाव को समाप्त करने के लिए समर्थन करना। समुदाय की बैठक

- टीबी चैंपियन उन परिवारों से बात कर सकता है जो पीडब्ल्यूटीबी के साथ स्टिग्मा या भेदभाव करते हैं और समझाते हैं कि पीडब्ल्यूटीबी कुछ हफ्तों के बाद गैर-संक्रामक होगा।
- टीबी चैंपियन परिवारों और समुदायों से बात कर सकते हैं, उन्हें आश्वस्त कर सकते हैं और उन्हें पीडब्ल्यूटीबी का समर्थन करने के लिए मना सकते हैं।

टीबी फोरम एक ऐसा मंच है जहां इस तरह के मुद्दों पर प्रकाश डाला जा सकता है

हितधारकों का पूरजोर समर्थन करने के लिए: टेम्पलेट

पैरवी के लिए बैठक की तैयारी

- सभी हितधारक बहुत व्यस्त हैं और बैठक के लिए केवल 10 –15 मिनट देंगे। आपको हितधारक द्वारा आवंटित समय में सब कुछ व्यक्त करने में सक्षम होना चाहिए।
- डेटा वकालत के प्रयासों को विश्वसनीयता प्रदान करता है। यह सलाह दी जाती है कि आपको अपने जिले/टीयू का डेटा याद है।
- जाने से पहले स्क्रिप्ट का अभ्यास करें और हितधारक से मिलें।

पैरवी बैठक के दौरान क्या करें और क्या कहें

- **परिचय:** जहां टीबीसी उन्हें स्वयं की परिचय कराते हैं। इसके बाद व्यक्ति से मिलने के लिए धन्यवाद दिया जाता है। इन-पर्सन मीटिंग्स के लिए, बेहतर होगा कि आप हितधारक को कॉल करें और मिलने का समय तय करें।
- **टीबी की गंभीरता:** यदि एक गैर एनटीईपी कर्मचारियों से मिलने, अपने जिले में टीबी के बारे में थोड़ा बात/कृपया टीबी के सामाजिक प्रभाव-गरीबी/कलंक/भेदभाव आदि के बारे में बात करें।
- **गतिविधि के बारे में बात करें:** यहां टीबीसी अपनी गतिविधि के बारे में बात करेंगे जो वह करना चाहते हैं।
- **कार्रवाई के लिए कॉल करें:** यहां टीबीसी हितधारक से आवश्यक विशिष्ट समर्थन के बारे में बात करेंगे (अनुमति पत्र जारी करना/सभा को संबोधित करना/किसी समूह को संबोधित करने का समय देना/रैलियों के लिए किसी भी परमिट आदि)
- **धन्यवाद:** बैठकों के समाप्त होने के बाद, हितधारक का शुक्रिया अदा करना याद रखें।

पैरवी करने के लिए बैठक स्क्रिप्ट प्रोटोटाइप

गुड मॉर्निंग सर/मैडम । मेरा नाम _____ है । मैंने आपके साथ _____ को एप्पोइंटमेंट लिया था। सर/ मैम, मैं एक टीबीसी हूँ जो आपके टीयू के नाम को सम्मिलित करने में रीच के साथ काम कर रहा हूँ और उस मुद्दे को सम्मिलित करने के बारे में चर्चा करना चाहता था जिस पर आप चर्चा करना चाहते हैं।

सर/मैडम, हमारे राज्य में टीबी एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है। हमारे जिले/टीयू में**** पीडब्लूटीबी रहते हैं। जागरूकता की कमी, स्टिग्मा और पोषण की कमी कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो टीबी से जूझ रहे लोगों की देखभाल को प्रभावित करते हैं। (इसका उपयोग केवल गैर एनटीईपी हितधारकों के लिए किया जाना है)

1. हम अपने छात्रों/उन लोगों के साथ टीबी पर एक जागरूकता सत्र आयोजित करना चाहते हैं जो प्रार्थना करने के लिए आते हैं/जो शुष्क राशन दिवस/आशा जो ब्लॉक स्तर की बैठक के लिए आते हैं। कार्यक्रम की सफलता के लिए आपका समर्थन बहुत महत्वपूर्ण है। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि कृपया इस कार्यक्रम के लिए 20 मिनट दें, दिनांक डालने पर उपलब्ध कराएं या दिनांक की मांग करें।

2. हम _____ से _____ तक एक स्टिग्मा विरोधी अभियान का आयोजन कर रहे हैं। इसके तहत हम रैली/टीबी मुक्त पंचायत पहल/निबंध प्रतियोगिता आदि (कोई अन्य गतिविधि) का आयोजन करेंगे। मैं आपका बड़ा आभारी रहूँगा/रहूँगी यदि आप बहुत आभारी हूँ (पूछे गए को यहाँ अंकित करें)।

इस बैठक के लिए और इस आयोजन की सफलता के लिए आपका समर्थन और सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद। यदि आपको कोई चिंता है तो कृपया मुझे बुलाएं।

V. स्टिग्मा विरोधी अभियानों का आयोजन

स्टिग्मा विरोधी अभियान क्या हैं:

स्टिग्मा विरोधी अभियान टीबी से जुड़े कलंक को दूर करने के लिए टीबी से बचे और टीबी चैंपियन आचरण गतिविधियों का एक सेट है। कई बार इन गतिविधियों में विभिन्न हितधारकों के साथ काम करना शामिल होता है। स्टिग्मा विरोधी अभियान के तहत गतिविधियों के उदाहरणों में एक साथ चक्र/बाइक रैलियां शामिल हैं, जिनमें तख्तियों के साथ तख्तियों के साथ स्टिग्मा विरोधी नारे, हस्ताक्षर अभियान, सामुदायिक जागरूकता सत्र, पंचायती राज सदस्यों के साथ काम करना, पंचायत/वार्ड को कलंक मुक्त पंचायत/वार्ड घोषित करना शामिल है।



आयोजित होगा स्टिग्मा विरोधी अभियान:

कार्यक्रम के तहत दो स्टिग्मा विरोधी अभियान चलाए जाने का प्रस्ताव है। पहला स्टिग्मा विरोधी अभियान विश्व टीबी दिवस के दौरान और मेंटरशिप कार्यक्रम के समापन से ठीक पहले दूसरा अभियान चलाया जाना चाहिए।



स्टिग्मा विरोधी अभियान कैसे चलाएं:

स्टिग्मा विरोधी अभियान की योजना बनाने के लिए कुछ कदम उठाए जाने की जरूरत है:

- अभियान की योजना वास्तविक घटना से कम से कम तीन सप्ताह पहले शुरू होनी चाहिए
- अपने डीसीसी और एनटीईपी स्टाफ, एसटी और स्वास्थ्य आगंतुक की मदद से अभियान की योजना बनाएं
- गतिविधियों को अंतिम रूप देने के बाद टीबीसी को तैयारियां शुरू करनी चाहिए। तैयारी में फोकल पर्सन से मीटिंग करना शामिल होना चाहिए ताकि गतिविधि को सुचारू रूप से लागू किया जा सके
- रैली की स्थिति में मार्ग को अंतिम रूप दें और सक्षम अधिकारियों से आवश्यक परमिट और मंजूरी लें। इन अनुमतियों को प्राप्त करने के लिए डीसीसी, अन्य टीबी चैंपियन, चिकित्सा अधिकारी और एनटीईपी स्टाफ से मदद लें
- टीबीसी को वास्तविक से कम से कम 3 दिन पहले फोकल व्यक्ति को कॉल करके गतिविधि की पुष्टि करनी चाहिए

सुनिश्चित करें कि रैली का समापन किसी अन्य गतिविधि में हो: एक जागरूकता कार्यक्रम, डीटीसी अधिकारियों, पीआरआई सदस्यों आदि के साथ बैठक।

सेवा	आईपी	सीपी	अनिवार्य या नहीं
उपचार साक्षरता	कम से कम एक बार और जरूरत के अनुसार	कम से कम एक बार और जरूरत के अनुसार	अनिवार्य
मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों के लिए स्क्रीनिंग	कम से कम एक बार		अनिवार्य
जोखिम मूल्यांकन	कम से कम एक बार		अनिवार्य
रोगी प्रदाता बैठक	कम से कम एक बार		अनिवार्य
कोमोर्बिडिटीज के लिए लिंकेज	कम से कम एक बार और जरूरत के अनुसार		अनिवार्य
संपर्क स्क्रीनिंग	कम से कम एक बार		अनिवार्य
लिंग उत्तरदायी पारिवारिक समर्थन	जरूरत के अनुसार	जरूरत के अनुसार	साथियों का सहयोग अनिवार्य है। यदि आवश्यक हो तो लिंग उत्तरदायी सहकर्मी सहायता प्रदान करें
लिंग उत्तरदायी पारिवारिक समर्थन	कम से कम एक बार और जरूरत के अनुसार	जरूरत के अनुसार	यदि लागू होता है
प्रतिकूल प्रभाव के लिए लिंकेज	जरूरत के अनुसार	जरूरत के अनुसार	यदि लागू होता है
उपचार में रुकावट के मामले में पुनर्प्राप्ति	जरूरत के अनुसार	जरूरत के अनुसार	यदि लागू होता है
सामुदायिक जागरूकता बैठक	महीने में कम से कम एक बैठक का आयोजन		
एंटी स्टिग्मा अभियान	मेंटरशिप कार्यक्रम की अवधि के दौरान कम से कम दो अभियानों का आयोजन		

Resource Group For Education and Advocacy for Community Health or REACH is a non-profit organisation established in 1999. Through an unrelenting focus on TB for the last two decades, REACH has been a key partner in India's efforts to end TB, by developing innovative strategies to engage a range of stakeholders including the public health system, private sector, TB-affected communities, business leaders, celebrities and the media. REACH is implementing the Unite to ACT project as a sub-recipient to FIND, with support from the Global Fund to Fight AIDS, Tuberculosis and Malaria, and with World Vision India and MAMTA as sub-sub-recipients. The Unite to ACT (Amplifying Community action for TB elimination) project will accelerate efforts to end TB in India by unifying and scaling up community action for TB through pan-India engagement of TB survivors as TB Champions.



www.reachindia.org.in



www.twitter.com/speaktb



www.facebook.com/SPEAKTB



www.youtube.com/REACHspeakTB

MAMTA - Health Institute for Mother and Child is a three decades old registered not-for-profit organisation under the Societies Act. Guided by innovation and implementation research, Health Systems Strengthening to reach the last mile is at the heart of their work. Working over the years on the factors affecting maternal and child health, MAMTA has diversified to affect social and health determinants through a continuum-of-care approach. MAMTA strives to bring innovation at scale in the domains of Maternal and Child Health, Sexual and Reproductive Health, Communicable diseases including TB, and common Non-Communicable Diseases. MAMTA HIMC is a sub-sub-recipient to REACH for the Unite to ACT.



<https://mamta-himc.in/>



<https://twitter.com/MamtaHIMC>



<https://www.instagram.com/MamtaHealth/>



www.facebook.com/mamtaHIMC



www.linkedin.com/company/mamta-health-institute-for-mother-and-child

